# Jdg

## Chapter 4

Amharic Interlinear

Reference: Amharic Selassie Bible

1

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיֹּסִפוּ | -እና-ቀጠሉ | H3254 |
| בְּנֵי | ልጆች-የ | |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| לַעֲשׂוֹת | -ለ-ማድረግ | |
| הָרַע | -ያ-ክፉ | H7451 |
| בְּעֵינֵי | -በ-ዓይኖች-የ | |
| יְהוָה | እግዚአብሔር | H3068 |
| וְאֵהוּד | -እና-ኤሁድ | H0164 |
| מֵת׃ | ሞተ | H4191 |

ናዖድም ከሞተ በኋላ የእስራኤል ልጆች በእግዚአብሔር ፊት እንደ ገና ክፉ ሥራ ሠሩ።

2

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיִּמְכְּרֵם | -እና-ሸጣቸው | H4376 |
| יְהוָה | እግዚአብሔር | H3068 |
| בְּיַד | -በ-እጅ-የ | H3027 |
| יָבִין | ያቢን | H2985 |
| מֶלֶךְ־ | ንጉሥ-የ | H4428 |
| כְּנַעַן | ከነዓን | |
| אֲשֶׁר | የ | |
| מָלַךְ | ነገሠ | |
| בְּחָצוֹר | -በ-ሐጾር | H2674 |
| וְשַׂר־ | -እና-አለቃ-የ | H8269 |
| צְבָאוֹ | ሠራዊት-ኡ | |
| סִיסְרָא | ሲሰራ | H5516 |
| וְהוּא | -እና-እርሱ | H1931 |
| יוֹשֵׁב | ይኖር-ነበር | H3427 |
| בַּחֲרֹשֶׁת | -በ-ሐሮሼት | H2800 |
| הַגּוֹיִם׃ | -ያ-አሕዛብ | |

እግዚአብሔርም በአሶር በነገሠው በከነዓን ንጉሥ በኢያቢስ እጅ አሳልፎ ሰጣቸው፤ የሠራዊቱም አለቃ በአሕዛብ አሪሶት የተቀመጠው ሲሣራ ነበረ።

3

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיִּצְעֲקוּ | -እና-ጮኹ | H6817 |
| בְנֵי־ | ልጆች-የ | |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| אֶל־ | -ወደ | H0413 |
| יְהוָה | እግዚአብሔር | H3068 |
| כִּי | ምክንያቱም | |
| תְּשַׁע | ዘጠኝ | H8672 |
| מֵאוֹת | መቶዎች | H3967 |
| רֶכֶב־ | ሰረገላ-የ | H7393 |
| בַּרְזֶל | ብረት | H1270 |
| לוֹ | -ለ-እርሱ | |
| וְהוּא | -እና-እርሱ | H1931 |
| לָחַץ | ጨቆነ | H3905 |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| בְּנֵי | ልጆች-የ | |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| בְּחָזְקָה | -በ-ኃይል | H2394 |
| עֶשְׂרִים | ሃያ | H6242 |
| שָׁנָה׃ | ዓመታት | H8141 |
| ס | (ክፍል) | |

የእስራኤልም ልጆች ወደ እግዚአብሔር ጮኹ፤ ዘጠኝ መቶ የብረት ሰረገሎች ነበሩትና፥ የእስራኤልንም ልጆች ሀያ ዓመት ያህል እጅግ ያስጨንቃቸው ነበር።

4

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וּדְבוֹרָה | -እና-ድቦራ | H1683 |
| אִשָּׁה | ሴት | H0802 |
| נְבִיאָה | ነቢያ | H5031 |
| אֵשֶׁת | ሚስት-የ | H0802 |
| לַפִּידוֹת | ላፒዶት | H3941 |
| הִיא | እርሷ | H1931 |
| שֹׁפְטָה | ፈረደች | H8199 |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| בָּעֵת | -በ-ጊዜ | H6256 |
| הַהִיא׃ | -ያ-ያ | H1931 |

በዚያ ጊዜም ነቢይቱ የለፊዶት ሚስት ዲቦራ በእስራኤል ላይ ትፈርድ ነበረች።

5

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וְהִיא | -እና-እርሷ | H1931 |
| יוֹשֶׁבֶת | ተቀመጠች | H3427 |
| תַּחַת־ | -ከ-ታች-የ | H8478 |
| תֹּמֶר | ዘንባባ-የ | H8560 |
| דְּבוֹרָה | ድቦራ | H1683 |
| בֵּין | -በ-መካከል | H0996 |
| הָרָמָה | -ያ-ራማ | H7414 |
| וּבֵין | -እና-በ-መካከል | H0996 |
| בֵּית־אֵל | ቤቴል | H1008 |
| בְּהַר | -በ-ተራራ-የ | H2022 |
| אֶפְרָיִם | ኤፍሬም | H0669 |
| וַיַּעֲלוּ | -እና-ወጡ | H5927 |
| אֵלֶיהָ | -ወደ-እርሷ | H0413 |
| בְּנֵי | ልጆች-የ | |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| לַמִּשְׁפָּט׃ | -ለ-ፍርድ | H4941 |

እርስዋም በተራራማው በኤፍሬም አገር በራማና በቤቴል መካከል ካለው የዲቦራ ዛፍ ከሚባለው ከዘንባባው በታች ተቀምጣ ነበር፤ የእስራኤልም ልጆች ወደ እርስዋ ለፍርድ ይወጡ ነበር።

6

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַתִּשְׁלַח | -እና-ላከች | H7971 |
| וַתִּקְרָא | -እና-ጠራች | H7121 |
| לְבָרָק | -ለ-ባራቅ | H1301 |
| בֶּן־ | ልጅ-የ | |
| אֲבִינֹעַם | አቢኖዓም | H0042 |
| מִקֶּדֶשׁ | -ከ-ቄዴስ | H6943 |
| נַפְתָּלִי | ንፍታሌም | H5321 |
| וַתֹּאמֶר | -እና-አለች | H0559 |
| אֵלָיו | -ወደ-እርሱ | H0413 |
| הֲלֹא | አይደለም-ን | H3808 |
| צִוָּה | አዘዘ | H6680 |
| יְהוָה | እግዚአብሔር | H3068 |
| אֱלֹהֵי־ | አምላክ-የ | H0430 |
| יִשְׂרָאֵל | እስራኤል | H3478 |
| לֵךְ | ሂድ | H3212 |
| וּמָשַׁכְתָּ | -እና-ሳብ | H4900 |
| בְּהַר | -በ-ተራራ-የ | H2022 |
| תָּבוֹר | ታቦር | H8396 |
| וְלָקַחְתָּ | -እና-ውሰድ | H3947 |
| עִמְּךָ | -ከ-አንተ-ጋር | |
| עֲשֶׂרֶת | አሥር | H6235 |
| אֲלָפִים | ሺዎች | H0505 |
| אִישׁ | ሰው | H0376 |
| מִבְּנֵי | -ከ-ልጆች-የ | |
| נַפְתָּלִי | ንፍታሌም | H5321 |
| וּמִבְּנֵי | -እና-ከ-ልጆች-የ | |
| זְבֻלוּן׃ | ዘቡሎን | H2074 |

ልካም ከቃዴስ ንፍታሌም የአቢኒኤምን ልጅ ባርቅን ጠርታ። የእስራኤል አምላክ እግዚአብሔር። ሄደህ ወደ ታቦር ተራራ ውጣ፥ ከአንተም ጋር ከንፍታሌምና ከዛብሎን ልጆች አሥር ሺህ ሰዎች ውሰድ፤

7

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וּמָשַׁכְתִּי | -እና-እስብ | H4900 |
| אֵלֶיךָ | -ወደ-አንተ | H0413 |
| אֶל־ | -ወደ | H0413 |
| נַחַל | ወንዝ-የ | |
| קִישׁוֹן | ቂሶን | H7028 |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| סִיסְרָא | ሲሰራ | H5516 |
| שַׂר־ | አለቃ-የ | H8269 |
| צְבָא | ሠራዊት-የ | |
| יָבִין | ያቢን | H2985 |
| וְאֶת־ | -እና-(ዕቃ) | H0853 |
| רִכְבּוֹ | ሰረገላ-ው | H7393 |
| וְאֶת־ | -እና-(ዕቃ) | H0853 |
| הֲמוֹנוֹ | ብዙ-ሕዝብ-ው | |
| וּנְתַתִּיהוּ | -እና-እሰጠዋለሁ | H5414 |
| בְּיָדֶךָ׃ | -በ-እጅ-ህ | H3027 |

እኔም የኢያቢስን ሠራዊት አለቃ ሲሣራን ሰረገሎቹንም ሕዝቡንም ሁሉ ወደ አንተ ወደ ቂሶን ወንዝ እስባለሁ፥ በእጅህም አሳልፌ እሰጠዋለሁ ብሎ አላዘዘህምን? አለችው።

8

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | -እና-አለ | H0559 |
| אֵלֶיהָ | -ወደ-እርሷ | H0413 |
| בָּרָק | ባራቅ | H1301 |
| אִם־ | ከ | |
| תֵּלְכִי | ትሄጂለሽ | H3212 |
| עִמִּי | -ከ-እኔ-ጋር | |
| וְהָלָכְתִּי | -እና-እሄዳለሁ | H1980 |
| וְאִם־ | -እና-ከ | |
| לֹא | አይ | H3808 |
| תֵלְכִי | ትሄጂ | H3212 |
| עִמִּי | -ከ-እኔ-ጋር | |
| לֹא | አይ | H3808 |
| אֵלֵךְ׃ | እሄድም | H3212 |

ባርቅም። አንቺ ከእኔ ጋር ብትሄጂ እኔ እሄዳለሁ፤ አንቺ ግን ከእኔ ጋር ባትሄጂ እኔ አልሄድም አላት።

9

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַתֹּאמֶר | -እና-አለች | H0559 |
| הָלֹךְ | በመሄድ | H1980 |
| אֵלֵךְ | እሄዳለሁ | H3212 |
| עִמָּךְ | -ከ-አንቺ-ጋር | |
| אֶפֶס | ነገር-ግን | |
| כִּי | ምክንያቱም | |
| לֹא | አይ | H3808 |
| תִהְיֶה | ይሆንም | H1961 |
| תִּפְאַרְתְּךָ | ክብር-ህ | H8597 |
| עַל־ | -በ | |
| הַדֶּרֶךְ | -ያ-መንገድ | H1870 |
| אֲשֶׁר | የ | |
| אַתָּה | አንተ | |
| הוֹלֵךְ | ትሄዳለህ | H1980 |
| כִּי | ምክንያቱም | |
| בְיַד־ | -በ-እጅ-የ | H3027 |
| אִשָּׁה | ሴት | H0802 |
| יִמְכֹּר | ይሸጣል | H4376 |
| יְהוָה | እግዚአብሔር | H3068 |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| סִיסְרָא | ሲሰራ | H5516 |
| וַתָּקָם | -እና-ተነሣች | |
| דְבוֹרָה | ድቦራ | H1683 |
| וַתֵּלֶךְ | -እና-ሄደች | H3212 |
| עִם־ | -ከ-ጋር | |
| בָּרָק | ባራቅ | H1301 |
| קֶדְשָׁה׃ | ቄዴስ | H6943 |

እርሷም። በእውነት ከአንተ ጋር እሄዳለሁ፤ ነገር ግን እግዚአብሔር ሲሣራን በሴት እጅ አሳልፎ ይሰጣልና በዚህ በምትሄድበት መንገድ ለአንተ ክብር አይሆንም አለችው። ዲቦራም ተነሥታ ከባርቅ ጋር ወደ ቃዴስ ሄደች።

10

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיַּזְעֵק | -እና-ሰበሰበ | H2199 |
| בָּרָק | ባራቅ | H1301 |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| זְבוּלֻן | ዘቡሉን | H2074 |
| וְאֶת־ | -እና-(ዕቃ) | H0853 |
| נַפְתָּלִי | ንፍታሌም | H5321 |
| קֶדְשָׁה | ቄዴስ | H6943 |
| וַיַּעַל | -እና-ወጣ | H5927 |
| בְּרַגְלָיו | -በ-እግሮች-ው | H7272 |
| עֲשֶׂרֶת | አሥር | H6235 |
| אַלְפֵי | ሺዎች-የ | H0505 |
| אִישׁ | ሰው | H0376 |
| וַתַּעַל | -እና-ወጣች | H5927 |
| עִמּוֹ | -ከ-እርሱ-ጋር | |
| דְבוֹרָה׃ | ድቦራ | H1683 |

ባርቅም ዛብሎንንና ንፍታሌምን ወደ ቃዴስ ጠራቸው፥ አሥር ሺህም ሰዎች ተከትለውት ወጡ፤ ዲቦራም ከእርሱ ጋር ወጣች።

11

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וְחֶבֶר | -እና-ሔበር | H2268 |
| הַקֵּינִי | -ያ-ቄናዊ | H7017 |
| נִפְרָד | ተለየ | H6504 |
| מִקַּיִן | -ከ-ቃየን | H7017 |
| מִבְּנֵי | -ከ-ልጆች-የ | |
| חֹבָב | ሖባብ | H2246 |
| חֹתֵן | አማት-የ | |
| מֹשֶׁה | ሙሴ | H4872 |
| וַיֵּט | -እና-ዘረጋ | H5186 |
| אָהֳלוֹ | ድንኳን-ው | H0168 |
| עַד־ | -እስከ | H5704 |
| אֵלוֹן | ኤሎን | H0436 |
| [בצענים] | (ቅሬ) | H6815 |
| (בְּצַעֲנַנִּים) | -በ-ጸዓናኒም | H6815 |
| אֲשֶׁר | የ | |
| אֶת־ | -ከ-ጋር | H0854 |
| קֶדֶשׁ׃ | ቄዴስ | H6943 |

ቄናዊውም ሔቤር ከሙሴ አማት ከኦባብ ልጆች ከቄናውያን ተለይቶ ድንኳኑን በቃዴስ አጠገብ በጸዕናይም እስከ ነበረው እስከ ትልቁ ዛፍ ድረስ ተከለ።

12

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| וַיַּגִּדוּ | -እና-ነገሩ | H5046 |
| לְסִיסְרָא | -ለ-ሲሰራ | H5516 |
| כִּי | ምክንያቱም | |
| עָלָה | ወጣ | H5927 |
| בָּרָק | ባራቅ | H1301 |
| בֶּן־ | ልጅ-የ | |
| אֲבִינֹעַם | አቢኖዓም | H0042 |
| הַר־ | ተራራ-የ | H2022 |
| תָּבוֹר׃ | ታቦር | H8396 |
| ס | (ክፍል) | |

የአቢኒኤምም ልጅ ባርቅ ወደ ታቦር ተራራ እንደ ወጣ ለሲሣራ ነገሩት።

13

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כָּל־ | וְאֶת־ | בַּרְזֶ֑ל | רֶ֣כֶב | מֵא֞וֹת | תְּשַׁ֨ע | רִכְבּ֡וֹ | כָּל־ | אֶת־ | סִֽיסְרָ֜א | וַיַּזְעֵ֨ק |
| ሁሉ | -እና-(ዕቃ) | ብረት | ሰረገላ-የ | መቶዎች | ዘጠኝ | ሰረገላ-ው | ሁሉ | (ዕቃ) | ሲሰራ | -እና-ሰበሰበ |
| H3605 | H0853 | H1270 | H7393 | H3967 | H8672 | H7393 | H3605 | H0853 | H5516 | H2199 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| קִישֽׁוֹן׃ | נַ֥חַל | אֶל־ | הַגּוֹיִ֖ם | מֵחֲרֹ֥שֶׁת | אִתּ֑וֹ | אֲשֶׁ֣ר | הָעָ֖ם |
| ቂሶን | ወንዝ-የ | -ወደ | -ያ-አሕዛብ | -ከ-ሐሮሼት | -ከ-እርሱ-ጋር | የ | -ያ-ሕዝብ |
| H7028 | | H0413 | | H2800 | H0854 | | |

ሲሣራም ሰረገሎቹን ሁሉ፥ ዘጠኝ መቶ የብረት ሰረገሎች፥ ከእርሱም ጋር የነበሩትን ሕዝቡን ሁሉ ከአሪሶት ወደ ቂሶን ወንዝ ሰበሰባቸው።

14

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶת־ | יְהוָ֤ה | נָתַ֨ן | אֲשֶׁר֩ | הַיּ֗וֹם | זֶ֣ה | כִּ֣י | ק֡וּם | בָּרָ֡ק | אֶל־ | דְבֹרָ֨ה | וַתֹּאמֶר֩ |
| (ዕቃ) | እግዚአብሔር | ሰጠ | የ | -ያ-ቀን | ይህ | ምክንያቱም | ተነሣ | ባራቅ | -ወደ | ድቦራ | -እና-አለች |
| H0853 | H3068 | H5414 | | H3117 | H2088 | | | H1301 | H0413 | H1683 | H0559 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| תָּב֔וֹר | מֵהַ֣ר | בָּרָק֙ | וַיֵּ֤רֶד | לְפָנֶ֑יךָ | יָצָ֣א | יְהוָ֔ה | הֲלֹ֥א | בְּיָדֶ֔ךָ | סִֽיסְרָא֙ |
| ታቦር | -ከ-ተራራ-የ | ባራቅ | -እና-ወረደ | -ለ-ፊት-ህ | ወጣ | እግዚአብሔር | አይደለም-ን | -በ-እጅ-ህ | ሲሰራ |
| H8396 | H2022 | H1301 | H3381 | H6440 | H3318 | H3068 | H3808 | H3027 | H5516 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| אַחֲרָֽיו׃ | אִ֖ישׁ | אֲלָפִ֥ים | וַעֲשֶׂ֥רֶת |
| -ከ-ኋላ-ው | ሰው | ሺዎች | -እና-አሥር |
| | H0376 | H0505 | H6235 |

ዲቦራም ባርቅን። እግዚአብሔር ሲሣራን በእጅህ አሳልፎ የሚሰጥበት ቀን ዛሬ ነውና ተነሣ፤ እነሆ፥ እግዚአብሔር በፊትህ ወጥቶአል አለችው። ባርቅም አሥር
ሺህ ሰዎች ተከትለውት ከታቦር ተራራ ወረደ።

15

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַֽמַּחֲנֶה֙ | כָּל־ | וְאֶת־ | הָרֶ֨כֶב | כָּל־ | וְאֶת־ | סִֽיסְרָ֜א | אֶת־ | יְהוָ֡ה | וַיָּ֣הָם |
| -ያ-ሰፈር | ሁሉ | -እና-(ዕቃ) | -ያ-ሰረገላ | ሁሉ | -እና-(ዕቃ) | ሲሰራ | (ዕቃ) | እግዚአብሔር | -እና-አደናገረ |
| H4264 | H3605 | H0853 | H7393 | H3605 | H0853 | H5516 | H0853 | H3068 | H2000 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בְּרַגְלָֽיו׃ | וַיָּ֥נָס | הַמֶּרְכָּבָ֖ה | מֵעַ֥ל | סִֽיסְרָא֙ | וַיֵּ֤רֶד | בָרָ֑ק | לִפְנֵ֣י | חֶ֖רֶב | לְפִי־ |
| -በ-እግሮች-ው | -እና-ሸሸ | -ያ-ሰረገላ | -ከ-ላይ-የ | ሲሰራ | -እና-ወረደ | ባራቅ | -ለ-ፊት-የ | ሰይፍ | -ለ-አፍ-የ |
| H7272 | H5127 | H4818 | | H5516 | H3381 | H1301 | H6440 | H2719 | H6310 |

እግዚአብሔርም ሲሣራን ሰረገሎቹንም ሁሉ ሠራዊቱንም ሁሉ ከባርቅ ፊት በሰይፍ ስለት አስደነገጣቸው፤ ሲሣራም ከሰረገላው ወርዶ በእግሩ ሸሸ።

16

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּפֹּ֞ל | הַגּוֹיִ֑ם | חֲרֹ֣שֶׁת | עַ֖ד | הַֽמַּחֲנֶ֔ה | וְאַחֲרֵ֣י | הָרֶ֨כֶב | אַחֲרֵ֤י | רָדַ֞ף | וּבָרָ֗ק |
| -እና-ወደቀ | -ያ-አሕዛብ | ሐሮሼት | -እስከ | -ያ-ሰፈር | -እና-ከ-ኋላ-የ | -ያ-ሰረገላ | -ከ-ኋላ-የ | አሳደደ | -እና-ባራቅ |
| H5307 | | H2800 | H5704 | H4264 | | H7393 | | H7291 | H1301 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶחָֽד׃ | עַד־ | נִשְׁאַ֖ר | לֹ֥א | חֶ֔רֶב | לְפִי־ | סִֽיסְרָא֙ | מַחֲנֵ֤ה | כָּל־ |
| አንድ | -እስከ | ቀረ | አይ | ሰይፍ | -ለ-አፍ-የ | ሲሰራ | ሰፈር-የ | ሁሉ |
| H0259 | H5704 | H7604 | H3808 | H2719 | H6310 | H5516 | H4264 | H3605 |

ባርቅም ሰረገሎችንና ሠራዊቱን እስከ አሪሶት ድረስ አባረረ፤ የሲሣራም ሠራዊት ሁሉ በሰይፍ ስለት ወደቀ፤ አንድ እንኳ አልቀረም።

17

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| שָׁל֔וֹם | כִּ֣י | הַקֵּינִ֑י | חֶ֣בֶר | אֵ֖שֶׁת | יָעֵ֔ל | אֹ֣הֶל | אֶל־ | בְּרַגְלָ֔יו | נָ֣ס | וְסִֽיסְרָא֙ |
| ሰላም | ምክንያቱም | -ያ-ቄናዊ | ሔበር | ሚስት-የ | ያዔል | ድንኳን-የ | -ወደ | -በ-እግሮች-ው | ሸሸ | -እና-ሲሰራ |
| H7965 | | H7017 | H2268 | H0802 | H3278 | H0168 | H0413 | H7272 | H5127 | H5516 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַקֵּינִֽי׃ | חֶ֥בֶר | בֵּ֖ית | וּבֵ֕ין | חָצ֗וֹר | מֶֽלֶךְ־ | יָבִ֣ין | בֵּ֣ין |
| -ያ-ቄናዊ | ሔበር | ቤት-የ | -እና-በ-መካከል | ሐጾር | ንጉሥ-የ | ያቢን | -በ-መካከል |
| H7017 | H2268 | | H0996 | H2674 | H4428 | H2985 | H0996 |

በአሶር ንጉሥም በኢያቢስና በቄናዊው በሔቤር ቤት መካከል ሰላም ነበረና ሲሣራ በእግሩ ሸሽቶ ወደ ቄናዊው ወደ ሔቤር ሚስት ወደ ኢያዔል ድንኳን ደረሰ።

18

| וַתֵּצֵא | יָעֵל | לִקְרַאת | סִֽיסְרָא | וַתֹּאמֶר | אֵלָיו | ס֥וּרָה | אֲדֹנִי | ס֥וּרָה | אֵלַי |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ወጣች | ያዔል | -ለ-መቅረብ-የ | ሲሰራ | -እና-አለች | -ወደ-እርሱ | ዘወር-በል | ጌታ-ዬ | ዘወር-በል | -ወደ-እኔ |
| H3318 | H3278 | H7125 | H5516 | H0559 | H0413 | H5493 | H0113 | H5493 | H0413 |

| אַל־ | תִּירָא | וַיָּסַר | אֵלֶיהָ | הָאֹהֱלָה | וַתְּכַסֵּהוּ | בַּשְּׂמִיכָה׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| አል | ትፍራ | -እና-ዘወር-አለ | -ወደ-እርሷ | -ያ-ድንኳን | -እና-ሸፈነችው | -በ-ምንጣፍ |
| H0408 | H3372 | H5493 | H0413 | H0168 | H3680 | H8063 |

ኢያዔልም ሲሣራን ለመገናኘት ወጥታ። ግባ፥ ጌታዬ ሆይ፥ ወደ እኔ ግባ፤ አትፍራ አለችው። ወደ እርስዋም ወደ ድንኳንዋ ገባ፥ በመጐናጸፊያዋም ሸፈነችው።

19

| וַיֹּאמֶר | אֵלֶיהָ | הַשְׁקִינִי־ | נָא | מְעַט־ | מַיִם | כִּי | צָמֵאתִי | וַתִּפְתַּח | אֶת־ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-አለ | -ወደ-እርሷ | አጠጪኝ | እባክሽ | ትንሽ | ውሃ | ምክንያቱም | ጠማሁ | -እና-ከፈተች | (ዕቃ) |
| H0559 | H0413 | H8248 | H4994 | H4592 | H4325 | | H6770 | | H0853 |

| נֹאוד | הֶחָלָב | וַתַּשְׁקֵהוּ | וַתְּכַסֵּהוּ׃ |
|---|---|---|---|
| ቆዳ-ጠርሙስ-የ | -ያ-ወተት | -እና-አጠጣችው | -እና-ሸፈነችው |
| H4997 | H2461 | H8248 | H3680 |

እርሱም። ጠምቶኛልና እባክሽ የምጠጣው ጥቂት ውኃ ስጭኝ አላት፤ እርስዋም የወተቱን አቍማዳ ፈትታ አጠጣችው፥ ሸፈነችውም።

20

| וַיֹּאמֶר | אֵלֶיהָ | עֲמֹד | פֶּתַח | הָאֹהֶל | וְהָיָה | אִם־ | אִישׁ | יָבוֹא | וּשְׁאֵלֵךְ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-አለ | -ወደ-እርሷ | ቁም | መግቢያ-የ | -ያ-ድንኳን | -እና-ይሆናል | ከ | ሰው | ይመጣ | -እና-ይጠይቅሽ |
| H0559 | H0413 | H5975 | H6607 | H0168 | H1961 | | H0376 | H0935 | H7592 |

| וְאָמַר | הֲיֵשׁ־ | פֹּה | אִישׁ | וְאָמַרְתְּ | אָיִן׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ይላል | አለ-ን | እዚህ | ሰው | -እና-ትያለሽ | የለም |
| H0559 | H3426 | H6311 | H0376 | H0559 | H0369 |

እርሱም። ከድንኳኑ ደጃፍ ቁሚ፤ ሰውም መጥቶ። በዚህ ሰው አለን? ብሎ ቢጠይቅሽ አንቺ። የለም ትዪዋለሽ አላት።

21

| וַתִּקַּח | יָעֵל | אֵשֶׁת־ | חֶבֶר | אֶת־ | יְתַד | הָאֹהֶל | וַתָּשֶׂם | אֶת־ | הַמַּקֶּבֶת |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ወሰደች | ያዔል | ሚስት-የ | ሔበር | (ዕቃ) | ሚስማር-የ | -ያ-ድንኳን | -እና-አደረገች | (ዕቃ) | -ያ-መዶሻ |
| H3947 | H3278 | H0802 | H2268 | H0853 | H3489 | H0168 | | H0853 | |

| בְּיָדָהּ | וַתָּבוֹא | אֵלָיו | בַּלָּאט | וַתִּתְקַע | אֶת־ | הַיָּתֵד | בְּרַקָּתוֹ | וַתִּצְנַח |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -በ-እጅ-ዋ | -እና-መጣች | -ወደ-እርሱ | -በ-ዝምታ | -እና-ተከለች | (ዕቃ) | -ያ-ሚስማር | -በ-ጉንጮ-ው | -እና-ሰጠመ |
| H3027 | H0935 | H0413 | H3814 | H8628 | H0853 | H3489 | H7541 | H6795 |

| בָאָרֶץ | וְהוּא־ | נִרְדָּם | וַיָּעַף | וַיָּמֹת׃ |
|---|---|---|---|---|
| -በ-ምድር | -እና-እርሱ | ተኝቶ-ነበር | -እና-ደከመ | -እና-ሞተ |
| H0776 | H1931 | H7290 | | H4191 |

የሔቤርም ሚስት ኢያዔል የድንኳን ካስማ ወሰደች፥ በእጅዋም መዶሻ ያዘች፥ ቀስ ብላም ወደ እርሱ ቀረበች፤ በጆሮግንዱ ካስማውን ቸነከረች፤ እርሱም
ደክሞ እንቀላፍቶ ነበርና ካስማው ወደ መሬት ጠለቀ፥ እርሱም ሞተ።

22

| וְהִנֵּה | בָרָק | רֹדֵף | אֶת־ | סִֽיסְרָא | וַתֵּצֵא | יָעֵל | לִקְרָאתוֹ | וַתֹּאמֶר | לוֹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-እነሆ | ባራቅ | ያሳድድ-ነበር | (ዕቃ) | ሲሰራ | -እና-ወጣች | ያዔል | -ለ-መቅረብ-ው | -እና-አለች | -ለ-እርሱ |
| H2009 | H1301 | H7291 | H0853 | H5516 | H3318 | H3278 | H7125 | H0559 | |

| לֵךְ | וְאַרְאֶךָּ | אֶת־ | הָאִישׁ | אֲשֶׁר־ | אַתָּה | מְבַקֵּשׁ | וַיָּבֹא | אֵלֶיהָ | וְהִנֵּה | סִֽיסְרָא |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ና | -እና-አሳይሀ | (ዕቃ) | -ያ-ሰው | የ | አንተ | ትፈልጋለህ | -እና-መጣ | -ወደ-እርሷ | -እና-እነሆ | ሲሰራ |
| H3212 | H7200 | H0853 | H0376 | | | H1245 | H0935 | H0413 | H2009 | H5516 |

| נֹפֵל | מֵת | וְהַיָּתֵד | בְּרַקָּתוֹ׃ |
|---|---|---|---|
| ወድቆ | ሞቶ | -እና-ያ-ሚስማር | -በ-ጉንጮ-ው |
| H5307 | H4191 | H3489 | H7541 |

እነሆም፥ ባርቅ ሲሣራን ሲያባርር ኢያዔል ልትገናኘው ወጥታ። ና የምትሻውንም ሰው አሳይሃለሁ አለችው። ወደ እርስዋም ገባ፥ እነሆም፥ ሲሣራን ወድቆ ሞቶም
አገኘው፥ ካስማውም ከጆሮግንዱ ውስጥ ነበረ።

23

| וַיַּכְנַע | אֱלֹהִים | בַּיּוֹם | הַהוּא | אֵת | יָבִין | מֶלֶךְ־ | כְּנָעַן | לִפְנֵי | בְּנֵי | יִשְׂרָאֵל׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-አዋረደ | አምላክ | -በ-ያ-ቀን | -ያ-ያ | (ዕቃ) | ያቢን | ንጉሥ-የ | ከነዓን | -ለ-ፊት-የ | ልጆች-የ | እስራኤል |
| H3665 | H0430 | H3117 | H1931 | H0853 | H2985 | H4428 | | H6440 | | H3478 |

> በዚያም ቀን እግዚአብሔር የከነዓንን ንጉሥ ኢያቢስን በእስራኤል ልጆች ፊት አዋረደ።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| עַ֚ד | כְּנָ֑עַן | מֶֽלֶךְ־ | יָבִ֣ין | עַ֖ל | וְקָשָׁ֔ה | הָל֣וֹךְ | יִשְׂרָאֵל֙ | בְּנֵֽי־ | יַ֤ד | וַתֵּ֜לֶךְ | 24 |
| -እስከ | ከነዓን | ንጉሥ-የ | ያቢን | -በ | -እና-ጠነከረች | በመሄድ | እስራኤል | ልጆች-የ | እጅ-የ | -እና-ሄደች | |
| H5704 | | H4428 | H2985 | | H7186 | H1980 | H3478 | | H3027 | H3212 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| פ | כְּנָֽעַן׃ | מֶֽלֶךְ־ | יָבִ֥ין | אֵ֖ת | הִכְרִ֔יתוּ | אֲשֶׁ֣ר |
| (ፊደል) | ከነዓን | ንጉሥ-የ | ያቢን | (ዕቃ) | አጠፉ | የ |
| | | H4428 | H2985 | H0853 | H3772 | |

> የከነዓንን ንጉሥ ኢያቢስንም እስኪያጠፉ ድረስ በከነዓን ንጉሥ በኢያቢስ ላይ የእስራኤል ልጆች እጅ እየበረታች ሄደች።